रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

‘आजादी का अमृत महोत्सव’ कार्यक्रम एवं ‘आदिवासी दिवस’ आयोजित

सामूहिक राष्ट्रगान जन गण मन के साथ राष्ट्र को समर्पित किया अपने श्रद्धा सुमन

जबलपुर, 9 अगस्त। भारत के प्रधानमंत्री मान. श्री नरेंद्र मोदी के आवाह्न एवं भारत सरकार के निर्देश पर भारत की आजादी के 75वीं वर्षगांठ के अंतर्गत ‘आजादी का अमृत महोत्सव’ कार्यक्रम का आयोजन पूरे देश भर में किया जा रहा है। इसी क्रम में आज दिनांक 09 अगस्त 2021 को विश्वविद्यालय में ‘आदिवासी दिवस’ के अवसर पर तथा ‘आजादी का अमृत महोत्सव’ कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में ‘विश्व आदिवासी दिवस’ के महनीय प्रसंग में अतिथियों एवं उपस्थितजन द्वारा वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा एवं संस्थापक कुलपति पद्मभूषण पंडित कुंजीलाल दुबे की प्रतिमा के सम्मुख पुष्पगुच्छ एवं पुष्पमाला अर्पित किया गया। तत्पश्चात् स्वागत की बेला में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही पूर्व

कुलपति प्रो. अलका नायक का स्वागत उप कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा तथा नवागत कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह का स्वागत अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. विवेक मिश्र द्वारा किया गया।

<u>रैली निकाली गई–</u>

विश्वविद्यालय परिसर से साउथ सिविल लाइन पचपेड़ी में राष्ट्रीय एकता व अखंडता को समर्पित रैली का आयोजन किया गया जिसमें सभी संकायाध्यक्षो, विभागाध्यक्षों, आचार्यों, अतिथि विद्वानों, छात्र–छात्राओं, कर्मचारियों तथा एनएसएस के स्वयंसेवकों ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। इस दौरान सभी ने भारत माता की जय, वंदे मातरम इत्यादि नारों के उद्‌घोष से सम्पूर्ण वि.वि. परिसर गूँज उठा।

कार्यक्रम के तृतीय चरण में कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि हम सभी का कर्त्तव्य बनता है कि हम अपनी आने वाली पीढ़ी को यह बताएं कि राष्ट्र को आजादी किस प्रकार से प्राप्त हुई थी और आजादी का कितना महत्व है। इस दौरान हम उन परिवारों को भी चिन्हित करें जिन लोगों ने आजादी के आंदोलन में अपना योगदान दिया है तथा उन्हें सम्मानित भी करें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही पूर्व कुलपति प्रो. अलका नायक ने कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि हम राष्ट्र के विभिन्न आयोजनों में बढ़–चढ़कर अपनी सहभागिता करते हुए आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम को सफल बनाएं और लगातार पूरे वर्ष विभिन्न आयामों को प्राप्त करते हुए आजादी के आंदोलन एवं अमृत महोत्सव का महत्व जन–जन तक पहुंचाएं।

इसके पश्चात् प्रो. विवेक मिश्र अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने सभी उपस्थित जनों का आभार प्रदर्शन करते हुए कहा कि सभी निश्चित रूप से आजादी के समृद्ध महोत्सव में अपना संपूर्ण योगदान देंगे।

आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम की समन्वयक डॉ देवीलता रावत तथा समिति के सदस्यों डॉ विशाल बन्ने, श्री अभय कांत मिश्रा, डॉ. अजय मिश्रा, डॉ. देवांशु गौतम, डॉ सरिता यादव, डॉ जया सिंह एवं डॉ. मीनल दुबे का प्रशंसनीय योगदान रहा।

कार्यक्रम का संचालन डॉ देवी लता रावत एवं डॉ देवांशु गौतम–कार्यक्रम अधिकारी एनएसएस मुक्त इकाई ने किया। कार्यक्रम 'सामूहिक राष्ट्रगान' के साथ सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर प्रो. धीरेन्द्र पाठक, प्रो. सुरेन्द्र सिंह, प्रो. पी.के. सिंघल, प्रो. शैलेष चौबे, प्रो. सुभाष शर्मा, आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. राजेश्वरी राणा, प्रो. ए.के. गिल, डॉ. सहायक कुलसचिव श्रीमती सुनीता देवड़ी, सुश्री मिनाल गुप्ता एवं सुश्री मोनाली सूर्यवंशी, चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय श्रीवास्तव, श्री राजमणि नासेरी तथा श्रीलाल बैगा सहित शिक्षक, अधिकारी, अतिथि विद्वान, कर्मचारी, एन.एस.एस. स्वयंसेवकों स्वयंसेवकों में प्रशांत कुमार चापेकर, रोशन प्रजापति, सुयश श्रीवास्तव, योगेश पटेल, हसनैन बैग, निखिल गुप्ता तथा छात्राओं में दीक्षा वर्मा, रेनू चौधरी, आकांक्षा, प्रिया सतनामी, अंचल मिश्रा, दुर्गा, अभिलाषा चौधरी, पलक नेमा, तृप्ति एवं शिक्षण विभागों के छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

रादुविवि जनसम्पर्क प्रकोष्ठ/क्रमांक/1044/09.08.2021